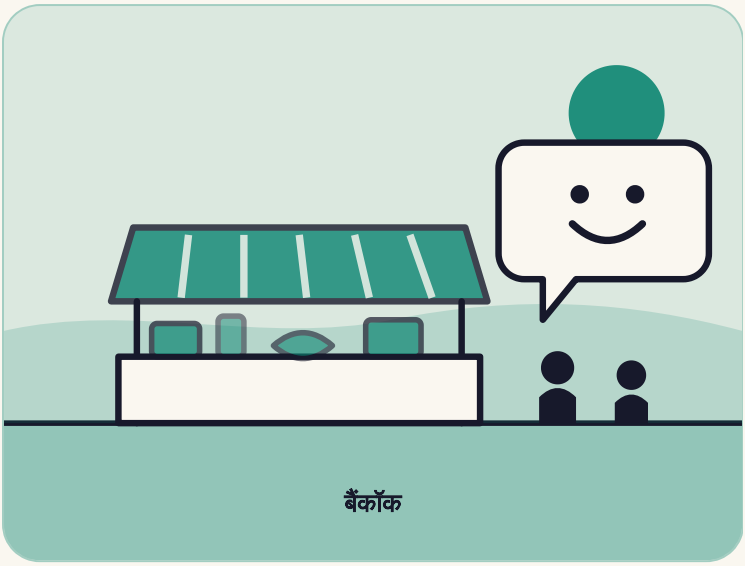

थाईलैंड

जिसने एक वर्जित विषय को मज़ेदार बना दिया

मेचाई वीरावैद्य ने थाईलैंड में चुटकुलों और गाँव के खेलों से एक वर्जना तोड़ी। इससे एड्स को धीमा करने में मदद मिली।

कहाँ बैंकॉक

कौन मेचाई वीरावैद्य, एक थाई अर्थशास्त्री और कार्यकर्ता जिन्होंने परिवार नियोजन और एचआईवी रोकथाम के लिए हास्य का सहारा लिया

कब 1974 से 2012

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

1970 के दशक की शुरुआत में थाईलैंड के सामने एक ऐसी समस्या थी जिस पर कोई बात नहीं करना चाहता था। उसकी आबादी हर साल 3 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ रही थी। परिवार बड़े थे। गर्भनिरोधक पर लोग चर्चा नहीं करते थे।

मेचाई वीरावैद्य, एक अर्थशास्त्री, ने इस विषय को उठाने का फ़ैसला किया। उनका लक्ष्य था कि गाँव के बाज़ार में साबुन, टूथपेस्ट और सूखी मछली की तरह कंडोम भी आम चीज़ बन जाएँ। वे जानते थे कि लोग उन्हें तभी अपनाएँगे जब उन पर मुस्कुरा सकें।

> क्या आप संवेदनशील रहना पसंद करेंगे, या मर जाना?
>
> मेचाई वीरावैद्य, उन देशों के बारे में जहाँ लोग कंडोम पर बात करने से झिझकते हैं, Nepali Times में

हास्य एक औज़ार

मेचाई गाँव-गाँव करतब लेकर घूमे। उन्होंने प्रतियोगिताएँ रखीं और पुकारा, “सबसे बड़ा कंडोम कौन फुला सकता है?” उन्होंने बस अड्डों पर परिवार नियोजन के “सुपरमार्केट” खोले। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं को कंडोम का आशीर्वाद देने के लिए मनाया। बैंकॉक में उन्होंने राजा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में महल के पास मुफ़्त नसबंदी की पेशकश की।

मज़ाक के पीछे गंभीर काम था। उन्होंने 350,000 शिक्षकों और 12,000 गाँव के नेताओं का एक नेटवर्क तैयार किया। एक अख़बारी स्तंभकार ने उन्हें चिढ़ाने के लिए सुझाव दिया कि कंडोम को “मेचाई” कहा जाए। नाम चल पड़ा, और मेचाई ने वह लेख फ़्रेम करवा लिया। उन्होंने कैबेजेस एंड कंडोम्स नाम का एक रेस्तराँ भी खोला, जिसका मुनाफ़ा उनके काम में लगता है।

350,000

संदेश फैलाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षक

0.6%

2005 में सालाना जनसंख्या वृद्धि, 1974 के 3% से ज़्यादा से नीचे

90%

नए एचआईवी संक्रमणों में गिरावट, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार

दूसरा संकट

1980 के दशक के आख़िर में एड्स थाईलैंड पहुँचा। सरकार ने सुरक्षित यौन संबंध के अभियान का समर्थन करने से मना कर दिया, क्योंकि उसे सेक्स पर्यटन को नुक़सान का डर था। इसलिए मेचाई सेना के पास गए। सेना अपने 300 रेडियो स्टेशनों और पाँच टेलीविज़न स्टेशनों पर सुरक्षित यौन संबंध के संदेश प्रसारित करने को राज़ी हो गई।

1991 में नए प्रधानमंत्री आनंद पन्यारचुन ने मेचाई को सरकार में शामिल किया। हर सरकारी विभाग से एड्स शिक्षा में मदद माँगी गई। टैक्सी चालक कंडोम बाँटते थे, और ट्रैफ़िक पुलिस चालकों को कंडोम देती थी। बैंकॉक के सेक्स उद्योग में कंडोम का इस्तेमाल सात साल में 30 से बढ़कर 90 प्रतिशत हो गया।

विश्व बैंक का अनुमान था कि इस कार्यक्रम ने 1991 से 2012 के बीच 7.7 मिलियन जानें बचाईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे उस समस्या पर अब तक की सबसे तेज़ प्रतिक्रिया कहा।

कब क्या हुआ

- **1974** मेचाई जनसंख्या और सामुदायिक विकास संघ शुरू करते हैं।
- **1991** नया प्रधानमंत्री उन्हें एड्स रोकथाम का नेतृत्व करने के लिए सरकार में लाता है।
- **2005** जनसंख्या वृद्धि घटकर सालाना 0.6 प्रतिशत रह जाती है।
- **2012** विश्व बैंक का 7.7 मिलियन जानें बचाने का अनुमान 1991 से 2012 तक का है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

उन्होंने झिझक को असली समस्या माना, और उसे हटाने के लिए हँसी का इस्तेमाल किया।

वे अकेले नहीं थे। शिक्षकों, भिक्षुओं, सेना और सरकारी विभागों ने संदेश को लोगों तक पहुँचाने में मदद की।

हमारी राय

मेचाई ने दिखाया कि हँसी, धैर्य और कई मददगारों से एक वर्जना तोड़ी जा सकती है।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 कठिन विषय को बात करने लायक़ बनाइए

उन्होंने खेल, चुटकुले और प्रतियोगिताएँ इस्तेमाल कीं ताकि लोग सहज हो सकें।

यह आज़माएँ: कोई ऐसा विषय चुनिए जिससे लोग बचते हैं। बात शुरू करने का एक दोस्ताना तरीक़ा खोजिए।

2 “ना” को एक सवाल समझिए

मेचाई कहते हैं कि वे ख़ुद से पूछते थे कि क्या उन्होंने ख़राब तरीक़े से समझाया, और आगे बढ़ते रहे।

यह आज़माएँ: जब कोई ना कहे, पूछिए कि क्या आपने साफ़ समझाया। फिर कोशिश कीजिए।

3 ऐसे साथी खोजिए जो हाँ कह सकें

जब सरकार ने मना किया, सेना संदेश प्रसारित करने को राज़ी हो गई।

यह आज़माएँ: अगर एक दरवाज़ा बंद है, तो सूची बनाइए कि और कौन मदद कर सकता है। उनसे पूछिए।

4 संकट के चरम पर पहुँचने से पहले क़दम उठाइए

Nepali Times के मुताबिक़ उन्होंने 1987 तक देख लिया था कि थाईलैंड तबाही की ओर बढ़ रहा है।

यह आज़माएँ: आज एक छोटा जोखिम पहचानिए और उसके बढ़ने से पहले उस पर काम कीजिए।

साथ ले जाने वाली एक बात

हँसी वह दरवाज़ा खोल सकती है जिसे डर बंद रखता है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

Population Connection (reprint of The New York Times)
‘Captain Condom’ Turned the Tide in Thailand’s War on AIDS and Overpopulation (2022)

University of Warwick
Family planning pioneer reflects on influencing a nation’s birth control habits (2017)

Nepali Times
Thailand’s Mr Condom comes to Kathmandu (2001)

Wikipedia
Mechai Viravaidya

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और कुछ संख्याओं में अलग हैं। परिवार का आकार: कहानी कोई आँकड़ा नहीं देती, क्योंकि New York Times का लेख कहता है कि 1970 के दशक की शुरुआत में औसत परिवार में पाँच बच्चे थे जो घटकर दो से कम हो गए, जबकि Wikipedia और University of Warwick कहते हैं कि 7 घटकर 1.5 हो गए। जनसंख्या वृद्धि: New York Times कहता है कि 1974 में 3 प्रतिशत से ज़्यादा और 2005 में 0.6 प्रतिशत; Warwick कहता है कि 3 प्रतिशत से ज़्यादा और 2003 तक 0.5 प्रतिशत; कहानी New York Times के आँकड़े लेती है। जनसंख्या और सामुदायिक विकास संघ कब शुरू हुआ: Warwick 1974 कहता है, Wikipedia 1973, New York Times 2022 से लगभग 50 साल पहले; कहानी समयरेखा में 1974 लेती है। 1991 में उनकी सरकारी भूमिका: New York Times उन्हें सूचना और पर्यटन मंत्री कहता है; Wikipedia उन्हें पर्यटन, सूचना और एड्स मंत्री कहता है; कहानी बस इतना कहती है कि प्रधानमंत्री उन्हें सरकार में लाए। बचाई गई जानें: New York Times और Warwick विश्व बैंक का 7.7 मिलियन जानें बचाने का अनुमान देते हैं (Warwick कहता है 12 साल के भीतर; New York Times कहता है 1991 से 2012 के बीच); एक खोज-सारांश में 9.7 मिलियन का ज़िक्र था, पर वह आँकड़ा किसी खोले गए पन्ने में नहीं मिला, इसलिए उसका इस्तेमाल नहीं हुआ। नए संक्रमणों में 90 प्रतिशत की गिरावट का श्रेय संयुक्त राष्ट्र (New York Times) या UNAIDS (Warwick) को दिया जाता है। बैंकॉक के सेक्स उद्योग में कंडोम का इस्तेमाल सात साल में 30 से 90 प्रतिशत होना Nepali Times (2001) से है। 350,000 शिक्षक और 12,000 गाँव के नेता, बस अड्डों के “सुपरमार्केट”, भिक्षुओं का आशीर्वाद, राजा के जन्मदिन पर महल के पास मुफ़्त नसबंदी, “मेचाई” सुझाने वाला स्तंभकार, सेना के 300 रेडियो और पाँच टेलीविज़न स्टेशन, सेक्स पर्यटन की वजह से सरकार का अभियान का समर्थन न करना, और टैक्सी चालकों व पुलिस का कंडोम बाँटना New York Times के लेख से हैं; New York Times मेचाई को यह कहते हुए उद्धृत करता है कि टैक्सियों में और ट्रैफ़िक में पुलिसवालों द्वारा कंडोम दिए जाते थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन का “सबसे तेज़ प्रतिक्रिया” New York Times में उद्धृत है। रेस्तराँ कैबेजेस एंड कंडोम्स Wikipedia, Nepali Times और New York Times की एक फ़ोटो-कैप्शन में है (मुनाफ़ा उनके काम में लगता है)। उद्धरण “क्या आप संवेदनशील रहना पसंद करेंगे, या मर जाना?” Nepali Times (2001) से है। कि उन्होंने 1987 तक ख़तरा देख लिया था, यह Nepali Times से है। कि वे पूछते हैं कि क्या उन्होंने ख़राब समझाया, और “ना” को एक सवाल मानते हैं, यह Warwick से है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व बैंक के अपने पन्ने नहीं खुल सके, और कहानी उन दावों के लिए समाचार लेखों पर निर्भर है। पिन बैंकॉक दिखाता है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।